



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद हिल के निर्माण कार्य को लेकर हुई बैठक
स्वामी विवेकानंद जी की दुनिया में सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित होगी

वर्धा, दि. 05 फरवरी 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में स्वामी विवेकानंद हिल का विकास कार्य और निर्माण जारी है। ज्ञात हो कि समूचे विश्वविद्यालय में इस योजना के अंतर्गत अकादमिक, शोध एवं



ज्ञानात्मक चिंतन के बृहद मार्ग प्रशस्त होंगे। रविवार 04 फरवरी को विश्वविद्यालय परिवार के आचार्यों और शिक्षकेतर कर्मियों का महत्वपूर्ण चर्चा सत्र आयोजित किया गया। उत्तरी परिसर के विकास हेतु सबकी भागीदारी और सहभागिता के उद्देश्य से इस बैठक में विभिन्न चरणों में किस प्रकार से कार्य किया जायेगा यह बात अपनी प्रस्ताविकी में कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया ने रखी। ज्ञात हो कि इस भव्य परियोजना को संकल्पित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का काम कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया ही कर रहे हैं। यह विश्वविद्यालय की अध्यात्म और पर्यटन की दृष्टि से अबतक की सबसे बड़ी परियोजना है। इस सत्र में उपस्थित गणमान्यों ने देश और दुनिया को जोड़ने हेतु उपयोगी विचार साझा किए। जिसमें भौतिक और आर्थिक संसाधन सहित नवीन परिसर में प्राकृतिक संसाधन से संदेश दिए जाने पर बात हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अधिष्ठता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की। संचालन वर्धा समाजकार्य संस्थान के निदेशक प्रो बंशीधर पांडेय ने किया।

इस निर्माण में जनभागीदारी को विकसित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके लिए सहयोग की अपेक्षा से और व्यापक अभियान चलाने की ओर संकल्पित हैं। लोग स्वेच्छा से इसमें आर्थिक सहयोग कर सकेंगे। बैठक में प्रोफेसर अखिलेश दुबे, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. जयंत उपाध्याय, डॉ. विपिन पांडे, डॉ. रवि कुमार, डॉ. संदीप कुमार वर्मा, डॉ. कृष्ण चंद्र पांडे, डॉ. सूर्य प्रकाश पाण्डेय, श्रीनिकेत मिश्रा, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी, डॉ. हिमांशू शेखर, डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. प्रदीप सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व कर्मचारी उपस्थिति हुए।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालयात बसवणार स्वामी विवेकानंदांचा जगातील सर्वात उंच पुतळा

वर्धा, दि. 05 फेब्रुवारी 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या उत्तर परिसरामधील स्वामी विवेकानंद हिलचे विकास आणि बांधकाम सुरू आहे. या ठिकाणी स्वामी विवेकानंद यांचा जगातील सर्वात उंच पुतळा बसवण्यात येणार आहे. या योजनेअंतर्गत संपूर्ण विश्वविद्यालयात शैक्षणिक, शोध आणि संज्ञानात्मक विचारांचे मोठे मार्ग मोकळे केले जातील. या संदर्भात 04 फेब्रुवारी रोजी शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांचे महत्त्वपूर्ण चर्चासत्र आयोजित करण्यात आले. उत्तर परिसराच्या विकासात सर्वांच्या सहभागातून विविध टप्प्यांत काम कसे केले जाईल याविषयी कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया यांनी विचार मांडले. या भव्य प्रकल्पाची संकल्पना साकारण्यात कुलसचिव डॉ. धरवेश कठेरिया महत्त्वाची भूमिका बजावत आहेत. अध्यात्म आणि पर्यटनाच्या दृष्टीने विश्वविद्यालयाचा हा आतापर्यंतचा सर्वात मोठा प्रकल्प आहे. या सत्रात उपस्थित मान्यवरांनी देश आणि जगाला जोडण्यासाठी उपयुक्त विचार मांडले. नवीन परिसरामध्ये भौतिक आणि आर्थिक संसाधनांसह नैसर्गिक संसाधनांमधून संदेश पोहोचविण्यावर चर्चा करण्यात आली. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी अनुवाद व निर्वचन विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. कृष्ण कुमार सिंह होते. संचालन वर्धा समाजकार्य संस्थानचे निदेशक प्रो. बंशीधर पांडेयांनी केले.

या बांधकामात लोकसहभाग विकसित करण्याचा प्रस्तावही मंजूर करण्यात आला. त्यासाठी सहकार्याची अपेक्षा ठेवून व्यापक मोहीम राबवण्याचा निर्धार आहे. यामध्ये लोक स्वेच्छेने आर्थिक हातभार लावू शकतील असे ठरविण्यात आले. बैठकीत प्रोफेसर अखिलेश दुबे, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. जयंत उपाध्याय, डॉ. विपिन पांडे, डॉ. रवि कुमार, डॉ. संदीप कुमार वर्मा, डॉ. कृष्ण चंद्र पांडे, डॉ. सूर्य प्रकाश पांडे, श्रीनिकेत मिश्रा, डॉ. जगदीश नारायण तिवारी, डॉ. हिमांशू शेखर, डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. प्रदीप यांच्यासह शिक्षक व कर्मचारी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.